सत्यमेव जयते

jktHkou lpuk ifjlj] mRrjk[k.M
i:l ukV

देश के बंटवारे की वेदना की वास्तविक अभिव्यक्ति संवेदनशील लेखक ही कर सकता है – राज्यपाल

<u>देहरादून 06 अगस्त, 2011</u>

उत्तराखण्ड की राज्यपाल श्रीमती मार्ग्रेट आल्वा ने कहा कि ''भारत के विभाजन की वेदना'' की सही अभिव्यक्ति व चित्रण संवेदनशील लेखक व कवि ही कर सकता है। इतिहासकार 1947 के विभाजन जैसी घटनाओं का वर्णन एक अलग ढंग से कर सकते हैं किन्तु बंटवारे की मार्मिक वेदना तथा कष्ट से प्रभावित व्यक्ति महिला या बच्चों के दुःख को एक संवेदनशील लेखक ही प्रभावी शब्दों में व्यक्त कर सकता है।

उक्त भावनाओं की अभिव्यक्ति राज्यपाल द्वारा आज सुश्री मोना वर्मा द्वारा रचित पुस्तक **''गॉड इज ए रीवर''** के विमोचन अवसर पर की गई। राजभवन के प्रेक्षागृह में पुस्तक विमोचन के पश्चात मुख्य अतिथि के रूप में अपने विचार व्यक्त करते हुए राज्यपाल ने कहा कि ''यह बहुत ही दुःख की बात है कि समृद्ध भारत ने विभाजन का असहनीय दर्द झेला। उससे भी ज्यादा दुःखद है कि मानवता ने इतिहास के दुःखद क्षणों से कोई सबक नहीं लिया और उन्हें बार–बार दोहराया।''

1947 में देश की आजादी के बाद हुए विभाजन की पीड़ादायक स्मृतियों व अनुभवों को व्यक्त करती इस पुस्तक की लेखिका के प्रयासों की सराहना करते हुए राज्यपाल ने कहा कि विभाजित भारत व पाकिस्तान के लोगों के बीच मजहब के नाम पर उत्पन्न हुई नफरत की भावनाओं को दूर करने का जो कार्य जनप्रतिनिधि नहीं कर सके उस कार्य को लेखक व कवि/कलाकार एक सेतु के रूप में कर सकते हैं।

राज्यपाल ने सुश्री मोना वर्मा को अत्यन्त संवेदनशील व सृजनात्मक क्षमता से समृद्ध प्रतिभाशाली युवा लेखिका बताते हुए कहा –''तुमने सिद्ध कर दिया है कि कलम में तलवार से अधिक शक्ति है। तुमने इतिहास को साहित्य में अद्भुत तरीके से परिवर्तित करके प्रस्तुत किया है, जिसके लिए तुम पूरे समाज की ओर से बधाई की पात्र हो''।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित नेता प्रतिपक्ष डा0 हरक सिंह रावत तथा रोटरी क्लब हरिद्वार के पूर्व जिला गवर्नर डा0 गुलशन ठुकराल ने भी मोना वर्मा के प्रयासों की भरपूर सराहना की। इस गरिमापूर्ण समारोह को लेखिका की गुरू सुश्री मंजुला भगत ने भी संबोधित किया तथा उभरती लेखिका पर गर्व प्रकट किया।

कार्यक्रम में लेखिका ने अपनी पुस्तक के कुछ अंश पढ़कर सुनाए जो कि बंटवारे का दंश झेल चुके लेखिका के निकटतम परिजनों के अनुभवों पर आधारित थे जिसमें तत्कालीन विभाजन के दर्द व पीड़ा का मार्मिक भाव था। मोना वर्मा ने कहा यह उपन्यास उस आस्था की कहानी है जो सहेजे जाने से पूर्व खण्डित हुई थी।

कार्यक्रम में राज्यपाल के सचिव श्री अशोक पई तथा उनकी पत्नी श्रीमती रेखा पई, अपर सचिव मुख्यमंत्री श्री अभिनव कुमार व श्री रविनाथ रमन, ए.डी.सी. श्री वी.के.कृष्ण कुमार सहित अनेक प्रबुद्धजन वरिष्ठ गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि तथा लेखिका के परिजन भी उपस्थित थे।

––––––0––––––

सूचना अधिकारी, श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड मो0 9456590619, का0 0135 2756172